



New Book '**Big Country, Little Business**' Offers Roadmap for Indian Micro-Entrepreneurs

Authored by: Shri Santosh Choubey, Dr. Siddharth Chaturvedi, and Dr. Pallavi Rao Chaturvedi, this book has been published by Penguin

29th Jan.: Penguin Books has published "Big Country, Little Business," a comprehensive guide designed to empower Indian micro-entrepreneurs and small business owners toward sustainable success. Authored by Shri Santosh Choubey, Dr. Siddharth Chaturvedi, and Dr. Pallavi Rao Chaturvedi, the book provides an in-depth analysis of the unique challenges faced by small enterprises, which form the vital backbone of the Indian economy.

The authors, a distinguished trio comprising social entrepreneur and Chairman of the AISECT Group, Shri Santosh Choubey; business leader, educationist, and Chancellor of Glocal Skills University, Dr. Siddharth Chaturvedi; and educationist, influencer, author, and EVP of the AISECT Group, Dr. Pallavi Rao Chaturvedi, bring together over 40 years of collective expertise. "Big Country, Little Business" distills their profound insights and success secrets gleaned from 40 thriving businesses into practical tips, actionable strategies, and over 100 innovative business ideas.

Speaking at the book launch event, Shri Santosh Choubey emphasized the immense potential of small businesses originating from Tier 2 and Tier 3 cities, stating, "While these businesses hold significant promise, they also encounter numerous hurdles. This book serves as a guiding light, not only inspiring them but also providing practical pathways to achieve business success."



Dr. Siddharth Chaturvedi highlighted the significance of the sector, noting, "India boasts the world's third-largest small business ecosystem, with over 1.6 lakh registered small businesses and 57 million micro-enterprises contributing 30% to the nation's GDP. Keeping this context in mind, our book meticulously explains the process of starting and scaling a business within the Indian landscape. We have strived to present a detailed picture of business possibilities and demystify the effective use of technology for small businesses in the digital age."

Dr. Pallavi Rao Chaturvedi underscored the book's relevance for women and youth, stating, "Women and youth are the cornerstones of India's future economic growth."

With over 73,000 small businesses already led by women, we have specifically addressed their unique

needs and challenges, offering tailored solutions and business ideas. We firmly believe that with the right guidance and opportunities, they can achieve remarkable feats."

"Big Country, Little Business" transcends the conventional notion of a business book. It is a comprehensive roadmap for aspiring entrepreneurs seeking to establish and scale their ventures successfully. The book delves into the intricacies of Indian business dynamics, providing bespoke solutions tailored to the local context. Endorsed by seasoned experts with a proven track record in fostering micro-enterprises, it stands as a testament to the authors' deep understanding of India's entrepreneurial ecosystem. This publication aims to empower millions of small businesses across the nation to not only survive but flourish in an increasingly competitive global environment, particularly in an

era where an entrepreneurial mindset is paramount.

The book has also garnered endorsements from eminent figures such as Mr. Pawan K. Verma, author, diplomat, and former Member of Parliament (Rajya Sabha); Mr. Anand Kumar, Padma Shri awardee and founder of the Super 30 program; Mr. Yogesh Chander Munjal, Chairman and Managing Director of Munjal Showa Ltd; Mr. Harish Bijoor of Harish Bijoor Consults Inc.; and Mr. K. Mantrala, former Editor-in-Chief of the Journal of Retailing and Alexander Von Humboldt Research Award recipient and Ned D. Fleming professor of marketing, University of Kansas School of Business, Lawrence, Kansas have heaped praises on this book.

"Big Country, Little Business" is now available for purchase online and at bookstores nationwide.

About the Authors:

- Shri Santosh Choubey is a distinguished social entrepreneur, educationist, and the Chairman of the AISECT Group.
- Dr. Siddharth Chaturvedi is a prominent business leader, educationist, and the Chancellor of Glocal Skills University.
- Dr. Pallavi Rao Chaturvedi is an accomplished educationist, influencer, author, and the Executive Vice President of the AISECT Group.

About Penguin Random House India:

Penguin Random House India is the largest English-language trade publisher in the subcontinent, publishing over 1700 new titles every year across a variety of imprints and genres.



वनमाली कथा समय एवं विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह का भव्य शुभारंभ

21st Feb.: कला, साहित्य एवं संस्कृति के लिये समर्पित वनमाली सृजनपीठ द्वारा तीन दिवसीय वनमाली कथा समय एवं राष्ट्रीय विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह का भव्य शुभारंभ रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में बुधवार को हुआ। समारोह के पहले सत्र में वरिष्ठ कहानीकार ममता कालिया, वनमाली कथा पत्रिका के प्रधान सम्पादक मुकेश वर्मा, तद्भव पत्रिका के सम्पादक अखिलेश, कहानीकार ओमा शर्मा ने 'समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता का परिदृश्य और वनमाली कथा' विषय पर सत्र में अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये।

आरएनटीयू के कुलाधिपति एवं वरिष्ठ कथाकार संतोष चौबे ने वनमाली कथा पत्रिका की पूरी यात्रा को संक्षेप में बताते हुए कहा कि 'भले ही हम छोटी जगहों में काम करेंगे, लेकिन हम अच्छी गुणवत्ता का काम करेंगे।' यह भी कहा कि 'लेखक को अपना एक्टिविजम कभी नहीं छोड़ना चाहिए, एक लेखक अंततः एक एक्टिविस्ट है।' परिचर्चा के विषय पर तद्भव पत्रिका के संपादक अखिलेश ने एक साहित्यिक पत्रिका को वर्तमान समय में लगातार प्रकाशित करते रहने में पेश आने वाली चुनौतियों पर बात करते हुए कि इस समय जबकि डाक खर्च भी बढ़ गया है, कई साहित्यिक पत्रिकाओं ने प्रिंट फॉर्मेट में पत्रिका निकालना बन्द कर दिया है। ऐसे समय में 'वनमाली कथा' जैसी



लोकतांत्रिक और समावेशी पत्रिकाएँ बहुत साहस का काम कर रही हैं। वरिष्ठ कथाकार ओमा शर्मा ने कहा कि 'रचना पर बात होनी चाहिए, जगह उतनी महत्वपूर्ण नहीं है, वनमाली कथा रचनाओं पर बात करती है।' पत्रिका के प्रधान सम्पादक मुकेश वर्मा ने साहित्यिक पत्रकारिता के 90 के दशक के पहले तथा बाद के समय को विस्तार से आंकलन करते हुए कहा कि 'यह समय किसी भी किस्म की सांत्वना नहीं देता, ऐसे समय में 'वनमाली कथा' एक ऐसी लोकतांत्रिक पत्रिका है जिसके द्वार सभी के लिए खुले हैं।

सत्र की अध्यक्षता कर रहीं वरिष्ठ कहानीकार ममता कालिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'यह ऐसा दौर है जहाँ आधा समाज चीजों को बेच रहा है और आधा समाज चीजों को खरीद रहा है। इस दौर में पढ़ने-पढ़ाने की

संस्कृति भी खतरे में है। ऐसे में वनमाली कथा पत्रिका का लगातार विविध विशेषांकों के साथ प्रकाशित होना बहुत उल्लेखनीय है। कार्यक्रम का संचालन वनमाली कथा पत्रिका के सम्पादक कुणाल सिंह ने किया तथा आभार आरएनटीयू की कुलसचिव संगीता जौहरी ने व्यक्त किया।

सत्र 'मलयालम में हिंदी के रचनाकार' विषय पर परिचर्चा का आयोजन श्री संतोष चौबे की अध्यक्षता में किया गया। उल्लेखनीय है कि इस सत्र में केरल के हिंदी-मलयाली साहित्यकारों के 20 सदस्यीय दल ने रचनात्मक भागीदारी की। परिचर्चा में केरल के वरिष्ठ हिंदी-मलयाली साहित्यकार डॉ. आरसु ने कहा कि केरल में हिंदी के लिए पहले से ही बहुत सकारात्मक वातावरण रहा है। हमारे पुरखों ने हमें विरासत में बहुभाषा और बहुआयामी दृष्टिकोण दिया है।



साहित्य, संस्कृति एवं सृजन के लिये
• भोपाल • खण्डवा • विलासपुर • दिल्ली
• हजारीबाग • वैशाली • लखनऊ

मलयालम-हिंदी के वरिष्ठ अनुवादक डॉ. के.सी.अजय कुमार ने कहा कि हिंदी की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए देवनागरी लिपि को आत्मसात करना बहुत जरूरी है। सत्र की अध्यक्षता करते हुए श्री संतोष चौबे ने कहा कि वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है कि साहित्य के साथ-साथ भाषा को कौशल की तरह आत्मसात करना। विश्व रंग ने हिंदी के लिए वैश्विक स्तर पर नई जमीन तैयार की है। इस अवसर पर विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड-2025 के पोस्टर का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। इसके साथ ही विश्व रंग के अंतर्गत हिंदी के 51 कथाकारों की हिंदी में रचित कहानियों के मलयालम में अनुवाद की पुस्तक 'कथायात्रा' तथा 'मध्यप्रदेश कथकल' का लोकार्पण भी अतिथियों द्वारा किया गया।

दूसरा सत्र कथा सभागार में कहानी पाठ का रहा। इसमें संतोष चौबे, मुकेश वर्मा, अखिलेश, मनीषा कुलश्रेष्ठ द्वारा कहानी पाठ किया गया। इसमें संतोष चौबे द्वारा "सपनों की दुनिया में ब्लैक होल", मनीषा कुलश्रेष्ठ द्वारा बच्चों पर कहानी का पाठ किया गया। वहीं लेखक अखिलेश द्वारा अपनी अप्रकाशित कहानी का अंश पाठ किया गया। सत्र की अध्यक्षता ममता कालिया ने की। संचालन डॉ. संगीता जौहरी द्वारा किया गया।

साहित्यिक उत्कृष्टता को सलाम: विष्णु खरे सम्मान समारोह में चयनित रचनाकार सम्मानित

22nd Feb.: राष्ट्रीय विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह का भव्य आयोजन वनमाली सभागार, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में गरिमामय रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर कला, साहित्य एवं संस्कृति के लिये समर्पित वनमाली सृजनपीठ द्वारा वनमाली जी के शिष्य एवं प्रखर कवि, आलोचक, अनुवादक, पत्रकार विष्णु खरे की स्मृति में

राष्ट्रीय कविता सम्मान से चार अलग-अलग श्रेणियों में रचनाकारों को सम्मानित किया गया। विष्णु खरे आलोचना सम्मान से वरिष्ठ आलोचक, कवि, अनुवादक नंदकिशोर आचार्य (बीकानेर), विष्णु खरे अनुवाद सम्मान से वरिष्ठ अनुवादक ए. अरविंदाक्षन (केरल), विष्णु खरे कविता सम्मान से सुप्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, अनुवादक एवं आलोचक लीलाधर मंडलोई (नई दिल्ली)

तथा विष्णु खरे युवा कविता सम्मान से युवा कवियत्री सुश्री पार्वती तिकी (झारखंड) को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए ख्यात रचनाकार डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी ने कहा कि साहित्य केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि यह समाज का दर्पण और दिशा-सूचक होता है। वनमाली कथा समय और राष्ट्रीय विष्णु खरे कविता सम्मान जैसे आयोजनों की महत्ता इस बात में निहित है कि वे साहित्यकारों और विचारकों को एक मंच पर लाकर समकालीन समाज, उसकी चुनौतियों और संभावनाओं पर सार्थक विमर्श की प्रेरणा देते हैं। आज सम्मानित होने वाले सभी रचनाकारों ने भी अपनी लेखनी से समाज की संवेदनाओं को स्वर दिया है। इनका लेखन न केवल साहित्य को समृद्ध करता है, बल्कि हमारे समय की जटिलताओं को भी उजागर करता है। आज के समय में, जब साहित्य को हाशिए पर धकेलने की कोशिशें हो रही हैं, ऐसे आयोजन यह संदेश देते हैं कि साहित्य की भूमिका सदैव केंद्रीय रही है और रहेगी। यह मंच केवल सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि विचारों के आदान-प्रदान और साहित्य की निरंतरता को बनाए



रखने का भी माध्यम है। हमें विश्वास है कि यहाँ की गई चर्चाएँ और संवाद आने वाले समय में साहित्य और समाज दोनों को नई दिशा प्रदान करेंगे।"

इस अवसर पर स्वागत वक्तव्य में श्री संतोष चौबे ने कहा "वनमाली कथा समय और राष्ट्रीय विष्णु खरे कविता सम्मान केवल सम्मान देने का मंच नहीं, बल्कि यह एक वैचारिक संगोष्ठी है, जहाँ साहित्यकारों की बहुआयामी दृष्टि हमारे समय के सबसे जटिल सवालों से टकराती है। भाषा, साहित्य और समाज के बदलते परिदृश्य में ऐसे मंचों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हम उन सभी रचनाकारों को बधाई देते हैं, जिनका सम्मान किया जा रहा है और हमें विश्वास है कि उनकी रचनाएँ आने वाले समय में साहित्य को और समृद्ध करेंगी।"





राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा श्री संतोष चौबे लिखित पुस्तक “कम्प्यूटर एक परिचय” के 40वें संस्करण का हुआ लोकार्पण



04th Jan.: देश में कम्प्यूटर शिक्षा के प्रसार में अहम भूमिका निभाने वाली पुस्तक ‘कंप्यूटर एक परिचय’ के चालीसवें संस्करण का लोकार्पण शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में भव्यता और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री मंगुभाई पटेल ने पुस्तक का लोकार्पण किया। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. भरत शरण सिंह एवं अन्य अतिथियों में विज्ञान लेखक एवं कुलाधिपति रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय संतोष चौबे, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के पूर्व संचालक शिव कुमार अवस्थी और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की प्रो चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स शामिल रहे।



कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपने वक्तव्य में कहा कि नई टेक्नोलॉजी का परिचय हिंदी में करवाना एक बड़ी बात है। ऐसा ही एक बड़ा कार्य ‘कम्प्यूटर एक परिचय’ पुस्तक के माध्यम से संतोष चौबे जी ने किया है। अपने ज्ञान से दूसरों को बड़ा करने में ही शिक्षित व्यक्ति का गौरव है। उसकी शिक्षा का गौरव है। उन्होंने कहा कि आज से 38 वर्ष पूर्व कम्प्यूटर ज्ञान के प्रसार के लिए ‘कम्प्यूटर एक परिचय’ पुस्तक की रचना कर, लेखक ने अपनी शिक्षा को गौरवान्वित किया है। संपूर्ण समाज को लाभान्वित करने का उनका प्रयास अभिनंदनीय है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल

ने कहा कि पुस्तक लेखन समाज सेवा का सशक्त माध्यम है। नई सोच और दृष्टि के द्वारा समाज का मार्गदर्शन करने वाले लेखकों का सम्मान समाज का दायित्व है। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि ज्ञान के लिए केवल पाठ्य पुस्तकों पर निर्भर नहीं रहे, पुस्तकों में उपलब्ध हमारे देश, समाज और संस्कृति के ज्ञान का भी अध्ययन करें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का नया दौर शुरू हुआ है, जिसकी आजादी के समय से ही देश अपेक्षा कर रहा था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में युवाओं को महत्वपूर्ण भूमिका देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बंधन मुक्त शिक्षा का अभूतपूर्व अवसर दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी आगामी 13-14 जनवरी को देश के 3 हजार युवाओं के साथ संवाद करेंगे। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम को देखने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि वैचारिक चिंतन में सहभागिता से नए विषयों और कार्यों के संबंध में जानकारी मिलती है। भविष्य के पथ का प्रदर्शन होता है। ‘कम्प्यूटर एक परिचय’ पुस्तक के लेखक श्री संतोष चौबे की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की शुभकामनाएं दीं।



विशिष्ट अतिथि मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. भरत शरण सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत में सुपर कम्प्यूटर पर पहली बार कार्य भटकर जी ने किया था जिससे भारत में कम्प्यूटर को लेकर जागरूकता आनी शुरू हुई थी। लेकिन उस दौर में कम्प्यूटर की जानकारी अंग्रेजी में ही उपलब्ध थी। ऐसे में ‘कम्प्यूटर एक

परिचय’ पहली पुस्तक बनी जिसने हिंदी में जन मानस के लिए कम्प्यूटर की जानकारी प्रदान करने का काम किया।



विज्ञान लेखक एवं कुलाधिपति रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय संतोष चौबे ने अपने वक्तव्य में बताया कि कम्प्यूटर के ज्ञान के प्रसार के लिए इस किताब को लिखने का विचार आया। जिसके बाद स्कूलों में जा कर कार्यशालाओं के जरिए इस किताब की जानकारी के फैलाना शुरू किया गया। आगे जाकर यहां से कम्प्यूटर सेंटर्स को शुरू करने का विचार आया जिससे लोगों को प्रशिक्षित किया जा सके। फिर इन्हीं कम्प्यूटर सेंटर्स की मांग पर उनके ही सहयोग से आईसेक्ट समूह के पहले विश्वविद्यालय की शुरुआत की गई। आगे संतोष चौबे ने बताया कि रोजगार के लिए भारतीय भाषाओं में ज्ञान के प्रसार की आवश्यकता है। साथ ही देश में तकनीकी शिक्षा का विकास हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के माध्यम से ही सम्भव है। इस बात की जरूरत को मप्र शासन ने समझा भी है और अब मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराई जाने लगी है।



इससे पहले डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी द्वारा स्वागत वक्तव्य दिया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि किस प्रकार ‘कम्प्यूटर

एक परिचय’ एक किताब से निकला ज्ञान के प्रसार का आंदोलन देशभर तक पहुंचा और आज आईसेक्ट विश्वविद्यालय समूह के रूप में छह विश्वविद्यालय के जरिए आम जन मानस को शिक्षा को सुलभ बना रहा है। इसके अलावा उन्होंने आईसेक्ट समूह के कार्यों से परिचय कराते हुए विस्तृत जानकारी प्रदान की।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विजय सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए ‘कम्प्यूटर एक परिचय’ किताब की छत्तीसगढ़ में लोकप्रियता का अपना अनुभव साझा किया। इस दौरान मंच संचालन आरएनटीयू की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने किया।

इसके बाद तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने हिंदी में तकनीकी लेखक की चुनौतियों एवं ‘कम्प्यूटर एक परिचय’ से जुड़े अपने अनुभवों पर चर्चा की। एनआईसी के सीनियर डायरेक्टर संतोष शुक्ला ने अपना संस्मरण सुनाते हुए कहा कि मैं 1988 में खंडवा में एनआईसी डिपार्टमेंट में पदस्थ हुआ था। और उस समय संभवतः पहला कम्प्यूटर कलेक्टर ऑफिस में लगाया गया था जिसे देखने कई लोग आते थे। तब कई बार लोग मुझसे पूछते थे कि हम कम्प्यूटर का ज्ञान कहां से लें तो मैं उन्हें ‘कम्प्यूटर एक परिचय’ पढ़ने के लिए कहता था। ऐसे में भोपाल आने पर लोग मुझे ही पैसे देकर पुस्तक का ऑर्डर देते थे।

वरिष्ठ विज्ञान लेखक यतीन चतुर्वेदी ने अपने वक्तव्य में हिंदी लेखन में कुछ चुनौतियां पर बात की। उन्होंने बताया कि तकनीक के बदलने से नए तकनीकी शब्द आ जाते हैं जिनके हिंदी शब्द नहीं होते हैं। कुछ समय पहले जब हमने पायथन पर किताब लिखी तब कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा था।

मप्र ग्रंथ अकादमी के पूर्व संचालक शिव कुमार अवस्थी ने अपने वक्तव्य में पुस्तक से जुड़े अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह



एक ऐसी पुस्तक थी जो एकादमिक के अलावा आम लोगों में भी लोकप्रिय हुई थी। 1988 के समय तक कम्प्यूटर विज्ञान पर पुस्तक छापी नहीं गई थी। उस समय हमारा उद्देश्य भाषा के माध्यम परिवर्तन के लिए पुस्तकें छापना था। यह पहली पुस्तक थी जो उन उद्देश्यों के अनुरूप थी। उसके बाद हमने कई पुस्तकें प्रकाशित कीं परंतु यह सबसे विशिष्ट थी। इसी कारण उस समय हमने डॉ. शंकरदयाल शर्मा पुरस्कार से सम्मानित

किया था। डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरूण जोशी ने बताया कि मैं कृषि विषय का छात्र रहा हूं और परंतु मेरी पूरी पढ़ाई अंग्रेजी में रही।

यह सबसे अजीब बात है कि कृषि करने वाले 90 प्रतिशत लोग हिंदी और भारतीय भाषाओं के हैं परंतु जब कृषि के सैद्धांतिक ज्ञान की बात आती है तो पुस्तकें केवल अंग्रेजी में ही उपलब्ध होती हैं। यह एक

विडंबना है जिस पर हम कार्य करने की शुरुआत कर रहे हैं।

मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के पूर्व उप निदेशक रामप्रकाश त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में कहा, “संतोष चौबे जी का लेखन हिंदी साहित्य और तकनीकी शिक्षा के बीच एक सेतु का कार्य कर रहा है।”

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. एसके जैन ने कहा कि हिंदी भाषा पर हमें गर्व

होना चाहिए और हिंदी ही हमारी मौलिकता है। हम अगर अपनी भाषा में पढ़ेंगे ही नहीं तो हमारे विचारों में भी मौलिकता नहीं होगी। वर्तमान समय में हम इसी समस्या से जूझ रहे हैं।

डॉ. संजय तिवारी, भोज यूनिवर्सिटी वाइस चांसलर ने कहा कि हिंदी में तकनीकी लेखन के माध्यम से युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जोड़ने का प्रयास निरंतर जारी रहना चाहिए।

प्रथम भारत-श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन



कोलंबो में हुआ आयोजन

विश्व रंग के निदेशक श्री संतोष चौबे ने किया संबोधित



10th Jan.: कोलंबो में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रथम भारत-श्रीलंका हिंदी सम्मेलन में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने 'श्रीलंका में हिंदी साहित्य और अनुवाद' विषय पर ओजस्वी संबोधन दिया। इस अवसर पर टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्णावट ने 'श्रीलंका में हिंदी शिक्षण' सत्र में अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर उपस्थित श्रीलंका के उच्च शिक्षा उपमंत्री डॉ. मधुर सेनेविरत्न एवं भारत के राजदूत श्री संतोष झा को श्री संतोष चौबे ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'विश्व रंग' तथा 'अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड' के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आपने उन्हें 'विश्व में हिंदी' पुस्तक तथा 'विश्व रंग बुलेटिन' की प्रति भी भेंट की। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए' की कार्यकारी

संपादक डॉ. विनीता चौबे तथा अंतरराष्ट्रीय हिंदी समिति यूएसए के प्रभारी एवं विश्व रंग परिवार के सदस्य श्री इंद्रजीत शर्मा ने भी रचनात्मक भागीदारी की।

इस आयोजन में श्रीलंका के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, हिंदी प्राध्यापकों, विद्यालयों के हिंदी शिक्षकों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। प्रथम भारत-श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन विवेकानंद केंद्र, कोलंबो के निदेशक डॉ. अंकुरण दत्ता तथा हिंदी संस्थान, श्रीलंका की निदेशक श्रीमती अतिला कोतलावल के संयोजन में किया



रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेंटर का हुआ उद्घाटन



20th Feb.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेंटर का शुभारंभ MPGIS (म.प्र. ग्लोबल इन्वेस्टर समिट) के पूर्व संध्या पर किया गया। सेंटर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके साथ डॉ. अजय चौबे, डायरेक्टर, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेंटर, सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्री श्याम श्रीवास्तव, डॉ. अरूण जोशी, कुलपति, सी.वी.रमन विश्वविद्यालय खण्डवा, श्री रवि चतुर्वेदी, कुलसचिव, डॉ. सी.वी.रमन विश्वविद्यालय खण्डवा, डॉ. संगीता जोहरी, कुलसचिव आरएनटीयू, डॉ. रचना चतुर्वेदी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेंटर: एक महत्वपूर्ण पहल: संतोष चौबे

इस अवसर पर श्री संतोष चौबे ने कहा कि आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में चयनित उद्यमियों को इस सेंटर की क्षमताओं से अवगत कराया जाएगा। इस सेंटर के माध्यम से उद्योगों और स्टार्टअप्स को नवाचारों और पेटेंट तकनीकों तक पहुंच प्रदान की जाएगी, जिससे वे उन्नत तकनीकों का लाभ उठाकर अपने व्यवसायों को और अधिक सशक्त बना सकें। निश्चित ही यह एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

तकनीकी नवाचारों और स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा: डॉ. अजय चौबे

डॉ. अजय चौबे ने बताया कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेंटर नवाचारों, अनुसंधान और उद्योगों के बीच की कड़ी के रूप में कार्य करेगा, जिससे छात्रों और स्टार्टअप्स को पेटेंट तकनीकों तक सीधा लाभ मिलेगा। यह सेंटर विश्वविद्यालय के तकनीकी शिक्षा और उद्यमिता को सशक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार सोनी ने जानकारी दी कि इस सेंटर का मुख्य उद्देश्य आईसेक्ट समूह के शोध कार्यों को इच्छुक उद्यमी छात्रों तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि आईसेक्ट विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित पेटेंट प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके छात्र स्वयं को एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

इस सेंटर में छात्रों को देश में विकसित लगभग 1200 प्रौद्योगिकियों का परिचय दिया जाएगा, जो कि पुस्तकों के रूप में प्रकाशित की जा चुकी हैं। इससे छात्र इन तकनीकों का अध्ययन कर अपने स्वयं के स्टार्टअप या उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित होंगे।

76th Republic Day Celebrated with Patriotic Fervor at RNTU



26th Jan.: RNTU marked the nation's 76th Republic Day with a vibrant and enthusiastic celebration held on campus. The event witnessed the hoisting of the tricolor by Pro Vice-Chancellor Dr. Sanjeev Gupta and Registrar Dr. Sangeeta Jauhari, symbolizing the spirit of unity and national pride.

Following the flag hoisting ceremony, the National Cadet Corps Naval wing, under the supervision of Sub Lieutenant Manoj Singh Manral (NCC Officer) and Durga Verma (NCC Instructor),

presented a distinguished guard of honor to the national flag.

Addressing the gathering, Pro Vice-Chancellor Dr. Sanjeev Gupta emphasized the significance of Republic Day beyond mere festivity, highlighting it as a reminder of the responsibilities of every citizen. He acknowledged the university's achievements in the academic sphere and urged everyone to strengthen their roles in its ongoing journey. Registrar Dr. Sangeeta Jauhari underscored the historical importance of the day,

recalling the principles of independence, equality, and brotherhood enshrined in the Indian Constitution. She stressed that the day serves as a reminder not only to cherish national unity but also to diligently fulfill the duties and responsibilities outlined in the Constitution to fortify the nation.

The cultural segment of the program captivated the audience with a series of heartfelt performances. The event commenced with an insightful address by student Jiya Singh, followed by a graceful patriotic dance performance by Era Saxena. Student Satyam enthralled the audience with a melodious patriotic song, while the students of TNSD presented a vibrant group

patriotic singing performance. The program concluded with the stirring rendition of the National Anthem.

The Republic Day celebration was graced by the presence of the Dean of Student Welfare, esteemed Deans from various faculties, faculty members, staff, and a large number of enthusiastic students, all united in their patriotic fervor.



टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के विद्यार्थियों ने दी संतोष चौबे की कहानी “लेखक बनाने वाले” की प्रस्तुति



Feb.: वनमाली कथा समय समारोह में शाम के सत्र में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने संतोष चौबे की कहानी “लेखक बनाने वाले” की प्रस्तुति दी। इस कहानी का निर्देशन डॉ. चैतन्य आठले ने किया। इस दौरान राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक श्री देवेन्द्र राज अंकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कहानी का सार: इसमें साहित्यिक व्यापार पर तीखा कटाक्ष किया गया है जो वर्तमान समय में प्रासंगिक है। वर्तमान समय में साहित्यिक प्रतिस्पर्धा और व्यापारिक साहित्य लेखन ने संवेदना एवं विचारों को दरकिनार कर दिया है। कहानी का नायक

मनमोहन लेखक बनने की आकांक्षा मन में रखता है। एक दिन समाचार पत्र में लेखक बनाओ केंद्र का विज्ञापन देखता है और वहां चल देता है। परंतु वहां उसको एक अलग ही दुनिया के दर्शन होते हैं। जो तकनीक के माध्यम से कम्प्यूटर द्वारा कहानी लिखना सीखाते हैं। वह व्यापारिक साहित्य के जाल में फंसकर लेखन के लिए प्रेरित होता है। परंतु जल्द ही वह स्वयं को परेशानी में पाता है और इस जंजाल से निकलने का रास्ता खोजता है। तब उसे सुकांत नाम का एक लेखक मिलता है और वह उसे ऐसे प्रपंच से दूर रहकर एक लेखक की नजर से दुनिया देखना सीखाता है। वह बताता है कि लेखन तो विचार, भावनाओं और मौलिक रचनात्मकता से आता है मशीनों से नहीं।

युवा संवाद कार्यक्रम में रंगमंच और फिल्म पर विशेष चर्चा, श्री राम कुमार तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल



Feb.: टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में युवा संवाद (रंगमंच एवं फिल्म) कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें श्री राम कुमार तिवारी, उप निदेशक, फिल्म पर्यटन, मध्यप्रदेश शासन, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे साथ ही उन्होंने रंगमंच एवं फिल्म पर विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने रंगमंच एवं फिल्म में रुचि रखने वाले युवा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया तथा मध्यप्रदेश शासन की फिल्म निर्माण से संबंधित नीतियों को विस्तार से समझाया कार्यक्रम के अंत में उन्होंने विशेष समय देकर विद्यार्थियों के प्रश्नों एवं जिज्ञासा का समाधान किया।

इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनिल तिवारी संकाय अध्यक्ष, प्रवेश विभाग, ने किया साथ ही युवा संवाद का संचालन विकास अवस्थी ने किया, कार्यक्रम में टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के विद्यार्थी, जनसंचार विभाग की युवाज्ञ टीम के विद्यार्थी, मानविकी एवं उदार कला संकाय के थियेटर क्लब एवं विरासत क्लब के विद्यार्थियों के साथ मनोज नायर, निदेशक

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, मॉरिस लाज़रस, सोनू साहा, विजय प्रताप जनसंपर्क अधिकारी, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. चैतन्य आठले ने किया।





Raisen Police and RNTU Conclude Successful Three-Day Cyber Security Awareness Programme



06th Feb.: The Raisen Police and Rabindranath Tagore University, Bhopal, successfully concluded a three-day cybersecurity awareness programme from February 6th to 8th, 2025. Aligning with Safe Internet Day and the National Cyber Suraksha Abhiyan, the initiative addressed the growing need for online safety knowledge.

Esteemed guests, including I.G. Shri Mithilesh Shukla, D.I.G. Shri Prashant Khare, and S.P. Shri Pankaj Pandey of Raisen Police, alongside industry experts and university officials, shared crucial insights. The programme aimed to equip individuals with the skills for online safety and responsible digital citizenship. Dr. Sanjeev Kumar Gupta, Officiating Vice-

Chancellor of RNTU, inaugurated the event, emphasizing cyber security's importance and RNTU's commitment to future awareness programmes. SDOP Ms. Sheela Surana highlighted the rise in cybercrimes and the shared responsibility in combating them.

I.G. Shri Mithilesh Shukla stressed the necessity of proactive cyber security measures due to increasing online activities and cyber threats like phishing and ransomware. D.I.G. Shri Prashant Khare framed cybercrime as a social problem, especially for youth, emphasizing digital awareness as a key defense. S.P. Shri Pankaj Pandey stated the programme's goal was to cultivate a culture of online safety and responsibility.

Industry expert Dr. Rajeev Agrawal discussed business vulnerabilities and the need for organizational cybersecurity. Cyber expert Shri Yogesh Pandit emphasized digital discipline, detailing threats and advising on strong passwords, two-factor authentication, social media caution, and avoiding suspicious links, also sharing the helpline 1930 and the national cybercrime portal. TechLaw's Shri Anant Srivastava advocated for digital hygiene practices like regular password updates and using secure websites. Shri Shailendra Kumar of Netlink highlighted the importance of technical awareness and caution with digital transactions.

A street play by Mandideep university students effectively illustrated

cyber threats and safety measures. The programme culminated in the "Safe Click Hackathon," with over 250 student participants. Teams "The Mechanicoi" and "The Goals" jointly won the Hackathon, while "Cyber Health Guardians" won the Ideathon. Winners received trophies and cash prizes.

Dr. Vineet Kapoor stressed police and expert collaboration and youth education on online safety. RNTU Registrar Dr. Sangeeta Jauhari reaffirmed the university's commitment to cybersecurity awareness and digital literacy. The programme successfully raised awareness, engaged youth, fostered cooperation, and highlighted the importance of cybersecurity in the digital age.

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली द्वारा प्रयागराज में आयोजित ज्ञान महाकुंभ



09th Feb.: शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली द्वारा प्रयागराज में आयोजित ज्ञान महाकुंभ के समापन कार्यक्रम में रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र की ओर से 'भारतीय भाषाओं में एकात्मकता' विषय पर मैंने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में इसरो के चेयरमैन डॉ.वी. नारायणन, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, न्यास की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.(श्रीमती) पंकज मित्तल, राष्ट्रीय सचिव

श्री अतुल कोठारी, इंदौर के महापौर श्री पुष्पमित्र भार्गव, अखिल भारतीय सिंधी परिषद के निदेशक श्री रवि टेकचंदानी आदि अनेक विद्वान उपस्थित रहे। 10 जनवरी से प्रारंभ हुए इस ज्ञान महाकुंभ में देशभर से लेखकों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों आदि की भागीदारी रही। आइसेक्ट प्रकाशन के स्टाल पर कनाडा व अन्य राज्यों के अतिथियों के साथ जाने का अवसर भी मिला।

भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी भोपाल चैप्टर की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन



24th Jan.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी भोपाल चैप्टर की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव और उससे संबंधित कृषि एवं जल प्रबंधन में सुधार की आवश्यकता को समझते हुए, "क्लाइमेट नेक्सस: शॉपिंग द फ्यूचर ऑफ एग्रीकल्चर एंड वॉटर" विषय पर यह एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की उपकुलाधिपति डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स, विशेष रूप से उपस्थित रही।

इस अवसर पर प्रो. पंकज कुमार ने जलवायु परिवर्तन का विज्ञान विषय पर अपने विचार साझा करते हुए इसके प्रभावों और समाधान

के संभावित तरीकों पर प्रकाश डाला। श्री शिवशंकर ने पर्यावरण और संरक्षण गतिविधियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने 3 पी (पेंड, पानी और पालीथीन) पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया साथ ही समाज में जागरूकता बढ़ाने और जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा पर्यावरण संरक्षण हर नागरिक की जिम्मेदारी है। डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम ने मध्य प्रदेश में उन्नत कृषि और जलवायु प्रबंधन पर अपने विचार रखे। डॉ. बालासुब्रमण्यम ने उन्नत तकनीकों और जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया। डॉ. रिजवान ने उपग्रह छवि के उपयोग और मौसम प्रणाली विषय पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

वहीं डॉ. ए. के. सिंह ने क्वांटम कंप्यूटर और मौसम डेटा विश्लेषण पर एक अत्याधुनिक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनिल तिवारी ने सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों को उनके अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद दिया गया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के छात्रों और स्टाफ ने **आर्मी मैराथन 2025** में बढ़ चढ़कर भाग लिया



21st Jan.: रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के छात्रों और संकाय सदस्यों ने गर्व के साथ आर्मी मैराथन 2025 के पहले संस्करण में भाग लिया। इस मौके पर आरएनटीयू की कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी सहित लगभग 600 छात्र-छात्राओं ने मैराथन में भाग लिया। विश्वविद्यालय का उद्देश्य इस आयोजन के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और एकता का भाव जागृत करना और हमारी सशस्त्र सेनाओं के प्रति सम्मान पैदा करना था।

यह ऐतिहासिक आयोजन मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड और भारतीय सेना के सहयोग से आयोजित किया गया था। मैराथन का प्रारंभ योद्धा स्थल द्रोणांचल से हुआ और यह

लालघाटी चौक, कोहे-फिजा चौक (वीआईपी रोड), कमला पार्क और पॉलीटेक्निक चौक से होते हुए योद्धा स्थल पर समाप्त हुआ। जो की तीन श्रेणियों में आयोजित की गई थी पहले दौड़ की श्रेणी 21 किलोमीटर की थी, दूसरी 10 किमी और तीसरी 5 किमी। मैराथन में लगभग 6,000 धावकों ने भाग लिया।

इस पहल पर बात करते हुए आरएनटीयू की उपकुलाधिपति डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि आर्मी मैराथन 2025 में भागीदारी ने छात्रों और संकाय सदस्यों को भारतीय सेना के वीरता और समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

Rabindranath Tagore University Extends Grand Welcome to Returning Republic Day Parade Cadet

12th Feb.: Rabindranath Tagore University proudly welcomed back its NCC Naval Wing cadet, **Heeralal**, following his commendable participation in the Republic Day Parade in Delhi. The university community orchestrated a vibrant and grand welcome ceremony to acknowledge his remarkable achievement.

The felicitation ceremony was graced by the presence of AIC & IQAC Director Nitin Vats, Pro Vice-Chancellor Dr. Sanjeev Kumar Gupta, and Registrar Dr. Sangeeta Jauhari, along with NCC Officer Sub. Lt. Manoj Singh Manral and instructor Durga Verma. They warmly welcomed Cadet Heeralal with garlands and lauded his dedication, strength and exemplary discipline.

Cadet Heeralal demonstrated exceptional performance in various competitions held during the rigorous Republic Day Camp. His selection for the prestigious Delhi parade followed six months



of intensive training. Notably, he was honored with the Best in Drill award during the camp. PO Cadet Neelesh Sahu also represented the university at the rally. Both cadets were recognized for their achievements and awarded medals by the Governor and Chief Minister of Madhya Pradesh.

RNTU Men's Hockey Team Advances to Quarter finals with Decisive Victory

25th Feb.: The RNTU Men's Hockey Team secured a resounding 3-0 victory against Sambalpur University, Bhubaneswar in their recent match at the All India Inter-University Hockey (Men) Championship 2024-25, organized by Gurukul Kangri University, Haridwar. This impressive win propels the RNTU team into the quarter finals of the prestigious tournament.

After a setback in their previous match, the RNTU squad demonstrated remarkable resilience and teamwork to achieve this decisive victory. The star performers of the match were Mohd. Anas Khan, Arham Zameer Ansari and Saddam each contributing one crucial goal to the team's success.



आरएनटीयू पुरुष हॉकी टीम की शानदार जीत, एसआरएम यूनिवर्सिटी को 8-0 से हराया

23rd Feb.: गुरुकुल कांगड़ी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), हरिद्वार में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी (पुरुष) चैम्पियनशिप 2024-25 में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) ने अपने दूसरे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए एसआरएम यूनिवर्सिटी को 8-0 के बड़े अंतर से हराकर अपना दूसरा मैच जीत लिया। मैच के स्टार प्लेयर्स मोहम्मद अनस खान (बीपीईएस प्रथम वर्ष), अरहम जमीर अंसारी (बीए द्वितीय वर्ष), मोहित कर्मा (बीपीईएस द्वितीय वर्ष) ने 2-2 गोल, अवनीश कुमार सेन (एमपीईएस प्रथम वर्ष), धैर्यशील जाधव

(बीपीईएस प्रथम वर्ष) ने 1-1 गोल दागे। टीम की इस शानदार जीत में मैनेजर सतीश अहिरवार, कोच श्री लोकेन्द्र शर्मा और हबीब हसन का कुशल मार्गदर्शन अहम रहा। इस जीत पर मैनेजर सतीश अहिरवार ने कहा कि टीम आरएनटीयू नए जोश और आत्मविश्वास के साथ अगले मुकाबले के लिए तैयार है।



RNTU's SHREYA GUPTA Clinches Gold at All India University Wushu Championship

27th Feb.: Rabindranath Tagore University is celebrating a significant achievement as its student, Shreya Gupta, a first-year Bachelor of Physical Education student, has secured a gold medal in the 65 KG (Women) weight category at the prestigious All India University Wushu Championship. The championship was held at Chandigarh University from Feb. 22nd to 27th, 2025. The university administration, faculty, and fellow students have extended their heartfelt congratulations to Shreya Gupta and Coach Rahul Shinde for this outstanding accomplishment.



Dr. Ravindra Pathak - Bridging Ancient Wisdom and Modern Management



Dr. Ravindra Pathak

Rabindranath Tagore University, Bhopal, proudly features **Dr. Ravindra Pathak**, Professor and Dean of the Faculty of Commerce, in this newsletter. Dr. Pathak uniquely blends academic rigor with deep Indian philosophical thought, holding two doctorates: one in Management (employee behavior) and another in Commerce (*Management Philosophy from the Srimad Bhagavad Gita*).

Dr. Pathak is renowned for his expertise in integrating Human Resource Management, the Bhagavad Gita's wisdom, and Astrology. His research bridges traditional Indian knowledge with modern organizational practices, offering practical insights into contemporary management.

A key contribution lies in his insightful application of the Srimad Bhagavad Gita to modern organizational contexts. Dr. Pathak demonstrates the Gita's profound management principles, influencing managerial ethics, leadership, and workplace behavior. His work highlights the enduring relevance of ancient Indian scriptures in addressing modern challenges like employee motivation, ethical leadership, conflict resolution, and well-being. As a recognized thought leader in the realm of Indian Knowledge Systems, Dr. Pathak passionately advocates for the integration of ancient Indian wisdom into modern

education and management paradigms. Drawing from the deep wells of the Vedas, Upanishads, and the Bhagavad Gita, he skillfully contextualizes their teachings for today's globalized and rapidly evolving world. He has developed insightful conceptual models that effectively synthesize Indian Knowledge Systems principles with organizational development, personal growth, and leadership philosophies.

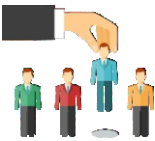
Driven by his commitment to Indian Knowledge Systems, Dr. Pathak actively conducts lectures, workshops, and training sessions for students, faculty, and professionals, making the valuable principles and frameworks from Indian scriptures accessible and applicable. His engaging workshops often involve an immersive exploration of key concepts such as the Triguna theory, Karma Yoga, and Dharma-centric leadership. These sessions are thoughtfully designed to cultivate self-awareness, ethical decision-making, and resilience in the face of modern workplace pressures.

Dr. Pathak's dedication to capacity-building extends to his significant engagements with faculty development and training programs. He has conducted numerous impactful sessions for faculty members, government officials, and institutional leaders on critical themes such as leadership, motivation, values in education, and Indian Knowledge Systems. His sessions are consistently praised for their depth, clarity, and practical, actionable insights. Adding a unique dimension to his multifaceted personality and professional


perspective is Dr. Pathak's interest in Astrology. He approaches astrology not as a matter of superstition, but as a valuable system of knowledge that can enhance self-awareness, career guidance, and personal growth. His insightful lectures and writings in this area explore the psychological and behavioral aspects of astrological influences and how these can be thoughtfully integrated into personal development frameworks.

In conclusion, Dr. Pathak stands as a remarkable example of a scholar, teacher, researcher, and thought leader deeply rooted in Indian tradition while maintaining a forward-thinking approach to his academic and professional endeavors. His journey reflects a profound commitment to holistic education that empowers individuals intellectually, ethically, and spiritually. Through his pioneering work in harmonizing ancient Indian scriptures with modern management principles, he continues to inspire students, educators, and professionals to seek knowledge that is both timeless and transformative.

Looking ahead, Dr. Pathak aspires to embrace broader leadership roles within academia, where he can leverage his strategic vision and scholarly insights to foster innovation, cultivate institutional excellence, and mentor the next generation of impactful leaders. His work serves as a powerful testament to the enduring value of integrating wisdom with action, tradition with innovation, and knowledge with character.




Students from Rabindranath Tagore University Achieve Placements in Large & Mid Cap Companies




Rabindranath
TAGORE
UNIVERSITY™
Approved by : PCI, AICTE, NCTE, BCI, INC, MP PARAMEDICAL COUNCIL, DED (UGC) | Recognized by : UGC | Member of : AIU, ACU

Congratulations


to the Diploma **Mechanical** Students
for their selection as
Diploma Engineer Trainee in



ADITYA KUMAR
PANDEY




DIVYANSHI
PANDEY




KANCHAN
KUMARI




RAJKARAN
KUMAR



SAURAV
KUMAR



SURAJ
KUMAR



TATA
ADVANCED SYSTEMS

Tata Advanced Systems Ltd.

Training & Placement Department, RNTU



Rabindranath
TAGORE
UNIVERSITY™
Approved by : PCI, AICTE, NCTE, BCI, INC, MP PARAMEDICAL COUNCIL, DED (UGC) | Recognized by : UGC | Member of : AIU, ACU

Congratulations

To the Selected Students of
B.Sc. Agriculture in
Daawat Foods Ltd.





Aditya Kumar



Vikash Kumar



Azad Kumar

Training & Placement Department, RNTU



Rabindranath
TAGORE
UNIVERSITY™
MADHYA PRADESH, BHOPAL

Village Mendua, Post-Bhojpur, Chiklod Road,
Near Bangrasia, Bhopal- 464993 (M.P.)
Ph.: 0755-2700400 | Email: info@rntu.ac.in

Patron

Shri Santosh Choubey, Chancellor
Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Pro-Chancellor
Dr. R.P. Dubey, Vice-Chancellor
Dr. Nitin Vats, Director AIC RNTU
Dr. Sangeeta Jauhari, Registrar

Editorial Team

Editors	: Dr. Shailendra Singh, Mr. Vijay Pratap Singh
Copywriters	: Mr. Sameer Choudhary, Ms. Shreya Sharma
Design	: Mr. Kamlesh Thakur
Photography	: Mr. Upendra Patne